भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
25.03.2026 के
तारांकित प्रश्न सं. 478 का उत्तर

'ग्रोथ कनेक्टर' तेज गति वाले रेल गलियारे

***478. श्री दिलेश्वर कामैतः**
श्री सुनील कुमार:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने बजट 2026-27 में घोषित सात नए 'ग्रोथ कनेक्टर' तेज गति वाले रेल गलियारों की निष्पादन योजना को अंतिम रूप दे दिया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्ष 2026 के अंत तक संचालित होने वाले वंदे भारत स्लीपर रेकों की संख्या का ब्यौरा क्या है और 1,000 कि.मी. से अधिक दूरी के मार्गों पर उनको चलाए जाने संबंधी कार्यनीति क्या है;

(ग) आगामी तेज गति वाले गलियारों के लिए 250 कि.मी. प्रति घंटे की गति के लिए डिजाइन किए गए 'वंदे भारत 4.0' का प्रचालन शुरू करने के लक्ष्य की दिशा में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या वर्ष 2027 तक सभी प्रीमियम रेलगाड़ियों में क्षेत्रीय व्यंजन और एआई-संचालित यात्री सेवाएं शुरू करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग से नरकटियागंज, पश्चिम चंपारण और गोरखपुर होते हुए हरिद्वार तक एक रेल गलियारे का निर्माण करने की योजना बना रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 25.03.2026 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 478 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): वर्तमान में, मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना (508 कि.मी.) निर्माणाधीन है। यह परियोजना गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली केंद्र शासित प्रदेश से होकर गुजर रही है, जिसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोईसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद और साबरमती में योजना के अनुसार 12 स्टेशन बनाए जाएंगे।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए संपूर्ण भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिगृहीत कर ली गई है। सभी सांविधिक स्वीकृतियां प्राप्त कर ली गई हैं। सभी 1651 जनोपयोगी सुविधाओं को स्थानांतरित कर दिया गया है। महाराष्ट्र राज्य में भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण यह परियोजना वर्ष 2021 तक प्रभावित हुई। वर्ष 2022 में महाराष्ट्र में भूमि अधिग्रहण में तेजी आई।

अभी तक विभिन्न प्रमुख मदों की प्रगति निम्नानुसार है :

मदें	प्रगति
पाया	430 कि.मी.
गर्डर	341 कि.मी.
ट्रैक बैड	174 कि.मी.
ओएचई मास्ट	153 कि.मी.

स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	स्टेशन	स्थिति
1	साबरमती	नींव संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं, प्लेटफॉर्म स्लैब और छत के संरचना संबंधी कार्य और फिनिशिंग के कार्य प्रगति पर हैं।

2	अहमदाबाद	संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और फिनिशिंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
3	आणंद/नडियाद	
4	वडोदरा	नींव का कार्य पूरा कर लिया गया है, संरचना संबंधी कार्य और फिनिशिंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
5	भरूच	संरचना संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं और फिनिशिंग के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
6	सूरत	
7	बिलिमोरा	
8	वापी	
9	बोईसर	नींव संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं और यह अंतिम चरण में है। संरचना संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
10	विरार	
11	ठाणे	
12	बीकेसी (मुंबई)	यह एक भूमिगत स्टेशन है। नींव संबंधी कार्य लगभग पूरे कर लिए गए हैं और बेस स्लैब का कार्य शुरू कर दिया गया है।

नदी पर पुलों के कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	नदी का नाम	स्थिति
1	साबरमती नदी (480 मीटर)	उप-संरचना संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है, अधिसंरचना संबंधी कार्य शुरू कर दिया गया है।
2	मेशवा नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
3	वात्रक नदी (280 मीटर)	
4	मोहर (शेढ़ी) नदी (160 मीटर)	
5	माही नदी (720 मीटर)	12 में से 11 कुओं के कार्य पूरे कर लिए गए हैं; 5 स्पैन स्थापित कर दिए गए हैं।
6	विश्वामित्री नदी (80 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
7	ढाढर नदी (120 मीटर)	

8	नर्मदा नदी (1366 मीटर)	25 में से 21 कुओं के कार्य पूरे कर लिए गए हैं; 4 स्पैन स्थापित कर दिए गए हैं।
9	किम नदी (120 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
10	तापी नदी (720 मीटर)	नींव का कार्य शुरू कर दिया गया है, 12 में से 10 कुओं के कार्य पूरे कर लिए गए हैं।
11	मिंधोला नदी (240 मीटर)	पुल का निर्माण कार्य पूरा कर लिया गया है।
12	पूर्णा नदी (360 मीटर)	
13	अंबिका नदी (200 मीटर)	
14	वेंगानिया नदी (200 मीटर)	
15	कावेरी नदी (120 मीटर)	
16	खरेरा नदी (120 मीटर)	
17	औरंगा नदी (320 मीटर)	
18	पार नदी (320 मीटर)	
19	कोलक नदी (160 मीटर)	
20	दमन गंगा नदी (360 मीटर)	
21	दारोथा नदी (80 मीटर)	
22	जगनी नदी (360 मीटर)	नींव संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं।
23	वैतरणा नदी (2320 मीटर)	12 पील कैप और 11 पायों (58 में से) के कार्य पूरे कर लिए गए हैं।
24	उल्हास नदी ब्रांच (120 मीटर)	नींव का कार्य शुरू करने के लिए टेम्पररी एक्सेस ब्रिज का कार्य पूरा कर लिया गया है।
25	देसाई खाड़ी नदी पुल (400 मीटर)	भू-तकनीकी जांच का कार्य पूरा कर लिया गया है और डिज़ाइन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

समुद्री सुरंग (लगभग 21 कि.मी.) का कार्य शुरू कर दिया गया है, जिसमें से महाराष्ट्र में घनसोली और शिलफाटा के बीच 4.8 कि.मी. लंबी सुरंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

इसके अलावा, राष्ट्रीय परिवहन अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने और क्षेत्रीय संपर्कता, आर्थिक विकास, पर्यटन, निवेश और रोजगार सृजन को प्रोत्साहित करने तथा सड़क एवं हवाई यातायात को रेल यातायात की ओर आकर्षित करने हेतु बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने केंद्रीय बजट 2026-27 में निम्नलिखित सात नए उच्च-गति रेल (एचएसआर) गलियारे विकसित करने की घोषणा की है:-

(i) मुंबई- पुणे

(ii) पुणे-हैदराबाद

(iii) हैदराबाद-बेंगलुरु

(iv) हैदराबाद-चेन्नै

(v) चेन्नै-बेंगलुरु

(vi) दिल्ली-वाराणसी

(vii) वाराणसी-सिलीगुड़ी

उच्च गति रेल गलियारे/परियोजना के अत्यधिक पूंजी-गहन होने के कारण, इस प्रकार के किसी भी उच्च गति रेल गलियारे/परियोजना को स्वीकृत करने का निर्णय विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन के परिणाम और वित्तपोषण के विकल्पों जैसे संसाधनों की उपलब्धता आदि जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है।

वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस:

लंबी दूरी की यात्रा के लिए, वंदे भारत एक्सप्रेस के स्लीपर संस्करण को स्वदेश में डिजाइन और विकसित किया गया है। वर्तमान में, भारतीय रेल नेटवर्क पर दो वंदे भारत स्लीपर सेवाएं परिचालित की जा रही हैं। प्रथम वंदे भारत स्लीपर गाड़ी सेवा अर्थात 27575/27576 हावड़ा-

कामाख्या वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस गाड़ी सेवा का दिनांक 22.01.2026 से नियमित परिचालन शुरू कर दिया गया है।

इन वंदे भारत स्लीपर रेलगाड़ियों में प्रदान की गई व्यापक उन्नत प्रौद्योगिकीय उन्नयन और संरक्षा संबंधी विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

- **झटका-मुक्त सेमी पर्मानेंट कप्लर एवं एंटी-क्लाइम्बर्स।**
- **कवच प्रणाली से सुसज्जित।**
- **180/160 किलोमीटर प्रति घंटे के डिजाइन/परिचालन गति के साथ उच्चतर त्वरण।**
- **ईएन मानकों का अनुपालन करने वाला कारबॉडी का दुर्घटना-रोधी डिज़ाइन।**
- **अग्नि संरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए प्रत्येक सवारीडिब्बे के छोर पर अग्निरोधी दरवाजे।**
- **विद्युत कैबिनेटों और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि संसूचन और शमन प्रणाली।**
- **ऊर्जा दक्षता के लिए पुनर्योजी ब्रेकन प्रणाली।**
- **यात्री क्षेत्र के अंदर स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने के लिए अनुकूलित वायु से 99% हानिकारक जीवाणुओं को निष्क्रिय करने के लिए, स्वदेश में विकसित यूवी-सी लैंप आधारित विसंक्रमण प्रणाली के साथ वातानुकूलन इकाइयां लगाई गई है।**
- **केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और चौड़े सीलबंद गैंगवे।**
- **सभी सवारी डिब्बों में सीसीटीवी।**
- **आपातकाल की स्थिति में यात्री और रेलगाड़ी प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संवाद के लिए आपातकालीन टॉक-बैक इकाई।**
- **दिव्यांगजन यात्रियों के लिए दोनों छोर पर ड्राइविंग कोच में विशेष शौचालय।**
- **यात्री सुविधाओं जैसे वातानुकूलन, सैलून प्रकाश-व्यवस्था आदि की स्थिति की बेहतर निगरानी के लिए केंद्रीकृत सवारी डिब्बा निगरानी प्रणाली।**
- **ऊपर की शायिकाओं में सुगमता से चढ़ने के लिए शारीरिक स्थिति के अनुसार डिज़ाइन की गई सीढ़ी।**

गाड़ियों में क्षेत्रीय व्यजंन

रेल मंत्रालय ने 2022 के वाणिज्यिक परिपत्र सं. 25 के तहत इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) को क्षेत्रीय व्यंजनों, मौसमी स्वादिष्ट व्यंजनों और स्वास्थ्य खाद्य विकल्प, जिनमें मिलेट आधारित उत्पाद शामिल हैं, मेनू में रूचि के अनुसार विकल्प शामिल करने की छूट दी है।

उपरोक्त आदेश के तहत आईआरसीटीसी द्वारा मेनू को यात्रियों की प्रतिक्रिया के आधार पर डिजाइन किया जाता है।

आईआरसीटीसी ने विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों को व्यक्तिगत सुखद अनुभव प्रदान करने के लिए समय-समय पर विभिन्न क्षेत्रीय व्यंजनों की व्यवस्था शुरू की है। रेलगाड़ियों में शुरू किए गए कुछ क्षेत्रीय व्यंजन निम्नानुसार हैः-

क्र.सं.	राज्य	व्यंजन
1	ओडिशा	दलमा, छेना पोडा
2	तमिलनाडु	सेट डोसइ, पलक्कटी चेट्टिनाड
3	कर्नाटक	मेदु वड़ा
4	राजस्थान	प्याज कचौड़ी
5	महाराष्ट्र	वड़ा पाव
6	पश्चिम बंगाल	माछेर झोल
7	गुजरात	थेपला
8	झारखंड	सिंघाड़ा, फुलुरी, आलू चोखा, आलू परवल
9	मध्य प्रदेश	कांदा पोहा, इंदौरी पोहा, सेव टमाटर सब्जी, अजवाइन पराठा, रागी भाखरी, पात्रा भागर, खोया चिकन, रागी थेपला, भेय

क्षेत्रीय/स्थानीय व्यंजन शुरू करने से यात्रियों को यात्रा के दौरान प्रामाणिक स्थानीय स्वाद का अनुभव प्राप्त हुआ है और स्थानीय संस्कृति से जुड़ने का मौका मिला है।

दार्जिलिंग-हरिद्वार मार्ग

दार्जिलिंग और हरिद्वार पहले से ही नरकटियागंज, पश्चिम चंपारण और गोरखपुर के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। उस क्षेत्र में रेल संपर्क को और बेहतर बनाने के लिए, निम्नलिखित कार्यों को स्वीकृत किया गया है:

क्र.सं.	परियोजना/खंड	स्थिति
1	सिलीगुड़ी - न्यू जलपाईगुड़ी दोहरीकरण (7 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई
2	न्यू जलपाईगुड़ी-अलुआबारी रोड तीसरी और चौथी लाइन (57 कि.मी.)	हाल ही में स्वीकृत की गई
3	अलुआबारी रोड-कुमेदपुर तीसरी और चौथी लाइन (136 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई
4	सिलीगुड़ी-ठाकुरगंज दोहरीकरण (56 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई
5	ठाकुरगंज-अलुआबारी दोहरीकरण (20 कि.मी.)	हाल ही में स्वीकृत की गई
6	मुकुरिया - कटिहार दोहरीकरण (35 कि.मी.)	कार्य शुरू किया गया है
7	कुमेदपुर - कटिहार दोहरीकरण (30 कि.मी.)	कार्य शुरू किया गया है
8	कटिहार - बरौनी तीसरी और चौथी लाइन (181 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई
9	बरौनी-बछवाड़ा तीसरी और चौथी लाइन (32 कि.मी.)	कार्य शुरू किया गया है
10	बछवाड़ा-गोरखपुर तीसरी और चौथी लाइन (310 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई
11	दरभंगा-नरकटियागंज दोहरीकरण (38 कि.मी.)	कार्य शुरू किया गया है
12	वाल्मीकीनगर-गोरखपुर दोहरीकरण (96 कि.मी.)	कार्य शुरू किया गया है
13	गोरखपुर-गोंडा तीसरी और चौथी लाइन (152 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई
14	गोंडा-बुढ़वल चौथी लाइन (56 कि.मी.)	हाल ही में स्वीकृत की गई
15	बुढ़वल - सीतापुर तीसरी और चौथी लाइन (97 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई
16	सीतापुर-मुरादाबाद तीसरी और चौथी लाइन (248 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **अनुमानित यातायात पूर्वानुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता**
- **परियोजना द्वारा प्रदान की गई पहली और अंतिम गंतव्य स्थान पहुंच संपर्कता**
- **अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना**
- **संकुलित/संतृप्त लाइनों का विस्तार**
- **राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाई गईं मांगें**
- **रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ**
- **सामाजिक-आर्थिक महत्व**
- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

*****